# भारतीय शिक्षा बोर्ड
# मॉडल प्रश्न पत्र - अर्धवार्षिक परीक्षा
# हिंदी - कक्षा 8
# सत्र : 2025-26

**निर्धारित समय:** 3 घंटा　　　　　　　　　　　　　　　　　**अधिकतम अंक: 80**

**निर्देश:**

- प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़िए।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न पत्र में 9 मुद्रित पृष्ठ हैं।
- प्रश्न पत्र को पढ़ने के लिए अतिरिक्त 10 मिनट का समय दिया गया है। इस दौरान छात्र केवल प्रश्न पत्र पढ़ेंगे।
- प्रश्न पत्र में कुल अठारह प्रश्न है और सभी प्रश्न अनिवार्य है।
- प्रश्न पत्र में चार खण्ड हैं :
  - खण्ड - क : प्रश्न संख्या 1 एवं 2, प्रत्येक प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित किये गये हैं।
  - खण्ड - ख : प्रश्न संख्या 3 के लिए 5 अंक, प्रश्न संख्या 4 के लिए 2 अंक, प्रश्न संख्या 5 के लिए 1 अंक, प्रश्न संख्या 6 के लिए 2 अंक, प्रश्न संख्या 7 के लिए 3 अंक, प्रश्न संख्या 8 के लिए 2 अंक, प्रश्न संख्या 9 के लिए 3 अंक एवं प्रश्न संख्या 10 के लिए 2 अंक निर्धारित किये गये हैं।
  - खण्ड - ग : प्रश्न संख्या 11 के लिए 5 अंक, प्रश्न संख्या 12 के लिए 5 अंक, प्रश्न संख्या 13 के लिए 10 अंक एवं प्रश्न संख्या 14 के लिए 6 अंक निर्धारित किये गये हैं।
  - खण्ड - घ : प्रश्न संख्या 15, 16, 17 एवं 18 के लिए 5 अंक निर्धारित किये गये हैं।

---

## खंड–क (अपठित बोध)

**प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्न के उत्तर लिखिए -** **(7)**

बड़ा बनने के लिए हमें विशाल काम करने ज़रूरत नहीं होती, बल्कि प्रत्येक काम में विशालता के चिह्न खोजने पड़ते हैं। अपने अंतर्मन में सदैव जिज्ञासा को जन्म देना होता है। दुनिया में ज्ञान का जो बोलबाला है, उसमें हमारी जिज्ञासा की अहम भूमिका है। अल्बर्ट आइंस्टीन ने एक बार अपने साक्षात्कार में कहा था कि हमारी जिज्ञासा ही हमारे अस्तित्व का आधार है। बिना प्रश्न के हमारे जीवन में न गति आएगी और न कोई रस होगा। जब हम चिंतन करते हैं, तब नई बातें सामने आती हैं। सवाल करने का ही परिणाम है कि नई तकनीक ऑटोमेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी चीजें आज दुनिया में आ रही हैं। जब हम कहते हैं क्यों कैसे, क्या, तब हमारे अंदर की स्नायु प्राण ऊर्जा और संकल्प एक नई गति और उत्साह के साथ

नवीनता की यात्रा करने लगते हैं। हमें इस दुनिया की इतनी आदत पड़ चुकी है कि लीक से हटकर सोचना नहीं चाहते। कोई विभिन्नता नहीं, न ही कोई नवीनता है। यह कैसा जीवन है, जिसमें कोई कौतुहल नहीं, कोई आश्चर्य नहीं ? इस जगत में हमारी स्थिति एक कीटाणु या विषाणु की तरह है, जो अपनी सुखमयी व्यवस्था में पड़े रहते हैं। लेकिन जो स्वतंत्र होते हैं, वे हृदय की आवाज़ सुनते हैं। जो बड़ा होना चाहते हैं, इस दुनिया और इसकी प्रत्येक घटना, वस्तु एवं स्थिति पर अपना आश्चर्य प्रकट करते हैं। प्रत्येक घटना और वस्तु से परे हटकर सोचने और उसको देखने की कोशिश जो करते हैं, वही बड़े बनते हैं। जिज्ञासु मन और बुद्धि ही दर्शन और विज्ञान की दुनिया बनाते हैं।

**(1) प्रत्येक काम में विशालता के चिह्न खोजने से लेखक का क्या अभिप्राय है?** (1)

(क) कुछ नया और अलग सोचें
(ख) विशाल काम करने की सोचें
(ग) काम को कल पर टालें नहीं
(घ) काम का आयोजन बड़े पैमाने पर करें

**(2) 'सवाल' करने से क्या लाभ है?** (1)

(क) हम जागरूकता दिखाने लगते हैं
(ख) हम भीड़ से अलग दिखाई देते हैं
(ग) हम ध्यान आकर्षित कर सकते हैं
(घ) हम चिंतन करते हैं और नई बातें सामने आती हैं

**(3) लीक से हटकर सोच को विकसित करने के लिए आवश्यक है -** (1)

(क) सुखमय व्यवस्था
(ख) हृदय की आवाज़ सुनना
(ग) अंतर्मन में सदैव शंका
(घ) दर्शन और विज्ञान की समझ

**(4) बड़ा होने के लिए किन गुणों का होना आवश्यक क्या है?** (2)

**(5) उपर्युक्त गद्यांश में मनुष्य को जिज्ञासा रहित रहने वालों की क्या दशा रहती है?** (2)

**प्रश्न 2. निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्न के उत्तर लिखिए – (7)**

पारिख के घर में नीम का पेड़ था
छितराई हरियाली अहाते को लगभग घेरे हुए
घर गली से ही पहचाना जाता था
नीम के नीचे पारिख की चारपाई बिछती थी
चारपाई पर पारिख के अलावा

किताबें भी बैठतीं सुस्तातीं
नीम कभी बोलकर कभी चुपके से
सूखे पत्ते गिराता था पत्तों में
अटका होता था उसका बचपन
हवा के साथ की गई शरारतें
एक दिन नहीं रहा वह
नीम का पेड़ वहाँ
आ गईं रोड़ी और रेत
आ गईं ईंटें और सीमेंट
वहाँ बन गया एक घेरा छह बाई आठ फुट का
सजाई गईं जिसमें चार कुर्सियाँ और एक मेज़
कुर्सियों पर पारिख मेज पर किताबें.....!
पारिख का मन अब कहीं नहीं जाता
घूमता है उसी छह बाई आठ में
उसके चेहरे पर एक परछाईं
डोलती है, फीकी लाचार-सी किताबें देखती हैं
उनकी आँखों में दुख झलकता है
पारिख के घर का पता अब
लोग गली में आने-जाने वालों से पूछते हैं।

**(1) इस काव्यांश के केंद्रीय भाव हेतु दिए गए कथनों में सबसे सटीक विकल्प चुनिए -** (1)

**कथन :-**

(क) पेड़-पौधों की जगह आधुनिक जीवन में नहीं बची।
(ख) पेड़-पौधे काटकर मकानों का निर्माण आज की सच्चाई है।
(ग) भले ही जरूरतवश हम पेड़ों को काट दें लेकिन उनकी कमी हमेशा खलती है।
(घ) कुर्सी और मेज़ ज़िंदा पेड़ से ज्यादा जरूरी हैं।

**विकल्प -**

(क) केवल कथन (ग) सही है।
(ख) कथन (क), (ख) और (ग) सही हैं।
(ग) कथन (ख) और (ग) सही हैं।
(ड) कथन (ख), (ग) और (घ) सही हैं।

**(2) 'घर गली से ही पहचाना जाता था' पंक्ति से क्या आशय है?** (1)

(क) गली में उसके घर को पहचान के रूप में जाना जाता था।

(ख) गली में उसका घर जाना-पहचाना लगता था।
(ग) पेड़ के कारण उसके घर को दूर से ही पहचान लिया जाता था।
(ड) गली में उसके घर को पहचानने वाले रहते थे।

**(3) नीम के पेड़ की जगह किसने ले ली?** **(1)**

(क) रोड़ी और रेत ने
(ख) ईंटों और सीमेंट ने
(ग) चार कुर्सियों और मेज़ ने
(ड) छह बाई आठ फुट के कमरे ने

**(4) 'पारिख का मन अब कहीं नहीं जाता' पंक्ति के आधार पर पारिख की मनोदशा के बारे में लिखिए -** **(2)**

**(5) इस काव्यांश से आपने क्या सीख प्राप्त की है ?** **(2)**

## खंड - ख (व्यावहारिक व्याकरण)

**प्रश्न 3. निर्देशानुसार निम्नलिखित प्रश्न के उत्तर लिखिए –**

(1) निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार अथवा अनुनासिक का चिह्न उचित स्थान पर लगाइए - **(1)**

(क) सभाला (ख) मनोरजन

(2) निम्नलिखित शब्दों में 'र' के उचित रूप का प्रयोग कीजिए - **(1)**

(क) मयादित (ख) गन्थ

(3) 'प्रगति' तथा 'पराजय' शब्दों में उपसर्ग और मूल शब्द अलग करके लिखिए - **(2)**

(4) 'आवट' प्रत्यय में मूल शब्द लगाकर नया शब्द बनाइए - **(1)**

**प्रश्न 4. 'शरीर' और 'व्यथित' के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए -** **(2)**

**प्रश्न 5. निम्न वाक्य में से सर्वनाम शब्द छाँटकर उसका भेद लिखिए -** **(1)**

जिसको लड्डू चाहिए, वह आगे आए।

**प्रश्न 6. निम्न वाक्यों में से विशेषण शब्द छाँटकर उसका भेद लिखिए -** **(2)**

(1) टोकरी में तीन सेब रखें हैं, ले आइए -
(2) मेरा घर उस दिशा में हैं -

**प्रश्न 7.** (1) 'नयनाभिराम' **शब्द की संधि करके लिखिए -** **(1)**

(2) 'महर्षि' **तथा** 'परमौषधि' **शब्द का संधि-विच्छेद करके लिखिए -** **(2)**

**प्रश्न 8. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए -** **(2)**

(1) मुझे एक गीतों की पुस्तक ला दीजिए।

(2) कृपया करके मुझे अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।

**प्रश्न 9.** (1) 'यमक' अथवा 'श्लेष' अलंकार का उदाहरण देकर स्पष्टीकरण लिखिए - **(2)**

(2) '<u>तरु तृण</u> वन लता वसन' रेखांकित शब्दों में प्रयुक्त अलंकार का नाम लिखिए - **(1)**

**प्रश्न 10. निम्नलिखित निर्देशों का पालन करके मुहावरों का प्रयोग कीजिए -** **(2)**

(1) उचित मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए –

कल्पना की नासा जाने की खबर सुनकर माता-पिता________________________।

(2) खून-पसीना बहाना– मुहावरे का वाक्य में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उसका अर्थ स्पष्ट हो जाए।

## खंड - ग (पाठ्य-पुस्तक)

**प्रश्न 11. निम्नलिखित पठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** **(1×5=5)**

नंदू ने काली चिड़िया की बातें बड़े ध्यान से सुनीं, लेकिन इस बार उसने गोकुल को कोई सच्चाई नहीं बताई। गोकुल ने जब नंदू को खेत में बिन मौसम के तरबूज के बीज बोते हुए देखा, तो उसे बहुत आश्चर्य हुआ, क्योंकि इस मौसम में यह फसल नहीं बोई जाती। उसने नंदू को भी समझाने का प्रयास किया कि एक अच्छा किसान वह है, जो मौसम की जानकारी रखता हो। जो किसान सही मौसम में सही फसल बोता है, वह हमेशा फायदे में रहता है, परंतु नंदू अपनी बात पर अड़ा रहा और उसने गोकुल की एक न मानी। इसके बजाय, उसने गोकुल से झूठ बोला- "गोकुल, मैंने वास्तव में काली चिड़िया को यह कहते हुए सुना है कि इस बार सरसों की फसल बोने वाले किसानों को फायदा हो सकता है, लेकिन मेरे पास सरसों के बीज नहीं हैं, इसलिए मैं तरबूज के बीज बो रहा हूँ। तुम सरसों की फसल क्यों नहीं लगा लेते? तुम्हारे पास तो सरसों के बीज भी हैं।" गोकुल, नंदू को अपना सच्चा मित्र मानता था और उसकी हर बात भी मानता था। इस बार भी उसने नंदू की बात मान ली और अपने खेतों में सरसों की फसल बो दी। दोनों की फसलें धीरे-धीरे बढ़ने लगीं। शुरू-शुरू में नंदू के खेत में तरबूज की बेलें बहुत तेजी से बढ़ीं। बेलों को बढ़ते देखकर नंदू न केवल खुशी से नाच उठा, बल्कि अब वह गोकुल को तरह-तरह की बातें कहकर उसका मज़ाक भी उड़ाने लगा। कुछ ही दिनों में तरबूज की बेलों पर फूल आने लगे। नंदू का अभिमान और भी बढ़ गया और गोकुल के प्रति उसका परिहास भी। एक दिन उसने गोकुल के खेत की ओर जाने वाली पानी की नाली को बाँध दिया। गोकुल के खेत को पानी की सख्त जरूरत थी। उसने नंदू से बहुत मिन्नतें भी की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। विवश होकर गोकुल को अपना खेत बिना पानी के रखना पड़ा। अचानक एक चमत्कार हुआ। लोगों ने देखा, कहीं से आसमान में बादल उमड़ आए और बारिश होने लगी। कई दिनों तक बारिश होती रही।

वर्षा होने से गोकुल और अन्य किसानों के खेतों में नई जान आ गई, लेकिन नंदू के खेत की तरबूज की बेलें कई दिनों तक जलभराव के कारण खेतों में ही सड़ गईं।

**(1) नंदू ने गोकुल को चिड़िया की बातों की सच्चाई के बारे में क्यों नहीं बताया ?**

(क) वह अपने मित्र की मदद करना चाहता था

(ख) उसके मन में बेईमानी का भाव आया

(ग) चिड़िया की बात उसे स्पष्ट न हो सकी

(घ) वह झूठ बोलने में पारंगत था

**(2) 'इस मौसम में तरबूज के बीज नहीं बोए जाते' - इस पंक्ति में किस ऋतु की बात हो रही है?**

(क) वर्षा ऋतु

(ख) ग्रीष्म ऋतु

(ग) शीत ऋतु

(घ) बसंत ऋतु

**(3) एक अच्छे किसान की यह विशेषता है कि उसे -**

(क) तरबूज़ और सरसों की खेती करनी आती हो

(ख) चिड़िया की बोलचाल की भाषा समझे

(ग) अपने मित्र की हर स्थिति में सहायता करे

(घ) फ़सल के अनुरूप मौसम की जानकारी रखे

**(4) गोकुल ने बिना शंका किए नंदू की बात मान ली-इस बात से क्या स्पष्ट होता है ?**

(क) गोकुल अपने बुरे परिणाम से अनभिज्ञ था

(ख) गोकुल को पहले से चिड़िया की भविष्यवाणी मालूम थी

(ग) गोकुल नंदू को अपना सच्चा मित्र समझता है

(घ) गोकुल को कोई भी आसानी से मूर्ख बना सकता है

**(5) गोकुल के तरबूजों के खेतों की दुर्दशा का कारण क्या था ?**

(क) नंदू के सरसों के खेत

(ख) अत्यधिक जलभराव

(ग) चिड़िया की बातचीत

(घ) नंदू का मज़ाक उड़ाना

**प्रश्न 12. निम्नलिखित पठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – (1×5=5)**

जसोदा हरि पालनैं झुलावैं।
हलरावै, दुलराइ मल्हावै, जोइ सोइ कछु गावै ॥
मेरे लाल कौं आउ निंदरिया, काहैं न आनि सुवावै।
तू काहैं नहिं बेगिहिं आवै, तोकौं कान्ह बुलावै ॥
कबहुँ पलक हरि मूँदि लेत हैं, कबहुँ अधर फरकावै।
सोवत जानि मौन वै कै रहि, करि-करि सैन बतावै ॥
इहिं अंतर अकुलाइ उठे हरि, जसुमति मधुरैं गावै।
जो सुख सूर अमर मुनि दुरलभ, सो नँद-भामिनि पावै ॥

**(1) उपर्युक्त पंक्तियों में निम्न में से कवि का कौन-सा भाव प्रदर्शित होता है ?**

(क) भयानक (ख) भक्ति
(ग) वीभत्स (घ) वात्सल्य

**(2) माता यशोदा अपने पुत्र कृष्ण को सुलाने के प्रयास में क्या कर रही हैं ?**

(क) पालने को झुला रही हैं
(ख) कहानियाँ सुना रही हैं
(ग) लोरी सुना रही हैं
(घ) विकल्प (क) और (ग) सही

**(3) माता यशोदा मौन क्यों हो जाती हैं ?**

(क) कृष्ण के अधरों के फड़काने पर
(ख) माता यशोदा अन्य कामों में व्यस्त हैं
(ग) कृष्ण के पलक मूँद लेने पर
(घ) कृष्ण के तंग करने पर

**(4) पद में किस सुख को अत्यंत दुर्लभ बताया है ?**

(क) वह सुख जो पिता नंद बाबा को कृष्ण-लीला को देखने से प्राप्त हुआ है
(ख) वह सुख जो देवताओं को कृष्ण-लीला को देखने से प्राप्त हुआ है
(ग) जो सुख कृष्ण को माँ यशोदा के सानिध्य में प्राप्त हुआ है
(घ) वह सुख जो माँ यशोदा को कृष्ण को सुलाने का प्राप्त हुआ है

**(5) उपर्युक्त पद में निम्न में से कृष्ण की किस क्रिया का वर्णन नहीं किया गया है ?**

(क) अकुला कर उठ जाना (ख) अधरों को फड़काना
(ग) चंद्र खिलौना लेने की ज़िद करना (घ) पलकों को मूँद लेना

**प्रश्न 13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्न के उत्तर 25 से 30 शब्दों में लिखिए – (2×5=10)**

(1) 'नाना ने 'ज़मीन के निर्जलीकरण' के क्या कारण बताए? 'धुनिया काका का तालाब' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए।

(2) 'कथा : भारतीय नाटकों की' पाठ के आधार पर उत्तरी भारत के किसी एक लोक नाट्यकला के बारे में लिखिए।

(3) विदुर ने धृतराष्ट्र को महाभारत के युद्ध से उबरने के लिए क्या उपाय बताया ?

(4) नीलकंठ के रूप-सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में लिखिए।

(5) नीलकंठ और राधा के संबंधों का कुब्जा के आने का क्या प्रभाव पड़ा ? पाठ 'नीलकंठ' के आधार पर उत्तर लिखिए।

**प्रश्न 14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्न के उत्तर 25 से 30 शब्दों में लिखिए – (2×3=6)**

(1) 'हमारे प्रभु औगुन चित न धरौ' पद में कवि अपने अराध्य से क्या अनुरोध करते हैं ?

(2) कवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला ने कविता 'भारति जय विजय करें' में क्या संदेश दिया है ?

(3) एक वृक्ष की हत्या कविता में 'पगड़ी का प्रतीक' वृक्ष के किस भाग को बताया गया है और क्यों ?

(4) कविता 'भारति,जय,विजय करे' में कवि ने भारत के प्राकृतिक सौंदर्य का कैसा वर्णन किया है ?

## खंड - घ (रचनात्मक लेखन)

**प्रश्न 15. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए – (5)**

(1) मेरे वृक्ष: मेरी विरासत

- संकेत बिंदु – वृक्षों का महत्त्व , विरासत कैसे , वृक्षारोपण अभियान

(2) बाधाएँ जीवन को सुंदर बनाती हैं

- संकेत बिंदु – मनुष्य जीवन की चाह, आग में तपकर सोना निखरता है,गुणों की परख विपत्ति काल में

(3) रेलवे प्लेटफ़ॉर्म का आँखों देखा वर्णन

- संकेत बिंदु – स्टेशन पर चहल-पहल , रेलगाड़ियों का आवागमन, अनुभव

**प्रश्न 16. आप लक्ष्य / लक्षिता हैं। आपके मामा जी नहीं चाहते कि उनकी बेटी सेना में भर्ती होने के लिए आवेदन भरे। एक शुभचिंतक भाई/बहन होने का कर्त्तव्य निभाइए और मामाजी को समझाते हुए लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए। (5)**

अथवा

आपके सेक्टर का पार्क बेहद ख़राब हालत में था | जिसके सौंदर्यीकरण को करवाने का कार्य पूरा करवाया जा चुका है। धन्यवाद देते हुए सचिव,विकास प्राधिकरण, अ०ब०स० नगर को एक पत्र लिखिए।

प्रश्न 17. 'बोया पेड़ बबूल का तो आम कहाँ से पाय' । कथन को सिद्ध करते हुए एक लघु-कथा लगभग 100 शब्दों में लिखिए। (5)

अथवा

साईकिल पंचर लगाने वाले एक छोटे बच्चे और आपके बीच लगभग 80 शब्दों में संवाद लिखिए।

प्रश्न 18. आप अपने विद्यालय 'थियेटर एंड पर्फोर्मेंसेस क्लब - 'अस्मिता' के छात्र-सचिव हैं। नए सत्र में विद्यार्थियों को इस क्लब का सदस्य (कोर कमेटी) बनाने के लिए आवश्यक जानकारी देते हुए लगभग 80 शब्दों में सूचना लिखिए। (5)